CONCEPT NOTE FOR ABILITY ENHANCEMENT COURSES

DEPARTMENT OF HINDI

TITLE OF THE COURSE: BHASHIK KAUSHAL / VYAVAHARIK HINDI

To be taught to: ARTS

भारतेंदु हरिश्चंद्र जी ने कहा है
'"निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल, बिन निज भाषा ज्ञान के, मिटे न हिय के सूल"।
मतलब मातृभाषा की उन्नति बिना किसी भी समाज की तरक्की संभव नहीं है, तथा अपनी भाषा के ज्ञान के बिना मन की पीड़ा को दूर करना भी मुश्किल है।

बोलना, सुनना , समझना और लिखना यह एक प्रकार की कला है, और इसमें भाषा का महत्वपूर्ण स्थान है। आप भाषा के माध्यम से किसी भी पराए व्यक्ति को अपना बना सकते हैं। भाषा के बगैर व्यक्ति अधूरा है। भाषा व्यक्ति के जीवन में महत्वपूर्ण स्थान रखती है। इस वर्ष NEP के अंतर्गत हमने हिंदी भाषा को लेकर भाषा कुशलता, कविता , अनुवाद, पत्र लेखन और व्याकरण पर विशेष बल दिया है ।व्याकरण किसी भी भाषा का ह्रदय है, और इसीलिए विद्यार्थियों में व्याकरण को लेकर जागरूकता होना आवश्यक है । दूसरे सेमेस्टर में हमने कहानियां, संवाद लेखन, निबंध लेखन, मुहावरे, कहावतें आदि के बारे में विद्यार्थियों को बतलाने का प्रयत्न किया है। हमें अपने व्यावहारिक जीवन में अनेक बार भाषा के अभाव में असफलता का मुंह देखना पड़ता है ,इसलिए आवश्यक है कि प्रत्येक व्यक्ति भाषा से समृद्ध रहे यही इस विषय का मुख्य उद्देश्य है।

DEPARTMENT OF MARATHI

TITLE OF THE COURSE: Administrative Marathi

To be taught to: ARTS STUDENTS

भाषा हा घटक जीवनातील प्रत्येक क्षेत्रात महत्वाचा आहे. त्याशिवाय आपण कोणताच व्यवहार व संदेशन करू शकत नाही. म्हणून FYBA च्या विद्यार्थ्यांची भाषिक कौशल्ये विकसित करण्यासाठी कार्यालयीन मराठी हा विषय दोन सत्रांसाठी निवडण्यात आला आहे. ज्याचा फायदा त्यांना नोकरी , व्यवसाय करताना होऊ शकतो. कार्यालयीन व्यवहारात मराठी भाषा कशा प्रकारे योजावी याचे ज्ञान या विषयाच्या अभ्यासातून नक्कीच मिळेल.
SEM - I यात वृत्त, वृत्तान्त , अर्जलेखन, घोषवाक्य लेखन हे प्रकार शिकवले जातील
SEM - II यात भाषांतर , पारिभाषिक शब्द , उताऱ्याचे आकलन , निमंत्रण पत्रिका तयार करणे इत्यादी विषय शिकवले जातील.